Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 7 | स्वंय प्रकाश (नेताजी का चश्मा)

QUIZ-01

1. **'नेताजी का चश्मा' पाठ के लेखक कौन हैं?**

A. स्वयं प्रकाश
B. रामवृक्ष बेनीपुरी
C. यशपाल
D. यतींद्र मिश्र (A)

व्याख्या: 'नेताजी का चश्मा' पाठ के लेखक स्वयं प्रकाश हैं, जो व्यंग्य लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं।

2. **'नेताजी का चश्मा' किस प्रकार का पाठ है?**

A. निबंध
B. वृत्तांत यात्रा
C. कहानी
D. एकांकी (C)

व्याख्या: यह एक व्यंग्यात्मक कहानी है जिसमें मूर्ति स्थापना और उसमें हुए हास्यास्पद परिवर्तन को दर्शाया गया है।

3. **पाठ के अनुसार मूर्ति बनाने का अवसर किसे दिया गया था?**

A. मूर्तिकार को
B. मोतीलालजी को
C. सरकारी कार्यालय को
D. इनमें कोई नहीं (B)

व्याख्या: कहानी में नेताजी की मूर्ति बनाने का कार्य मोतीलालजी को सौंपा गया था।

4. **मोतीलालजी ने मूर्ति बनाने का कार्य कब तक पूरा करने का आश्वासन दिया?**

A. महीने भर में
B. हफ्ते भर में
C. सप्ताह भर में
D. इनमें कोई नहीं (A)

व्याख्या: मोतीलालजी ने मूर्ति एक महीने में तैयार करने का वादा किया था।

5. **'नेताजी का चश्मा' पाठ में देशभक्त किसे कहा गया है?**

A. हालदार साहब को
B. कैप्टन चश्मे वाले को
C. सामान्य आदमी को
D. इनमें कोई नहीं (B)

व्याख्या: पाठ में व्यंग्यात्मक ढंग से बताया गया है कि कैप्टन चश्मे वाले को देशभक्त समझा गया।

6. **हालदार साहब किसे देखकर आश्चर्यचकित हो गए थे?**

A. पानवाले को
B. मूर्ति को
C. कैप्टन चश्मे वाले को
D. इनमें कोई नहीं (C)

व्याख्या: क्योंकि वह एक बूढ़ा मरियल और विकलांग व्यक्ति था।

7. **पाठ के अनुसार कैप्टन देखने में कैसा था?**

A. मरियल – सा
B. बेहद बूढ़ा
C. लँगड़ा
D. इनमें सभी (D)

व्याख्या: कैप्टन के बारे में यही विवरण दिया गया है – वह मरियल, बूढ़ा और लँगड़ा था।

8. **कस्बे से गुजरते समय हालदार साहब किस मूर्ति को ध्यान से देखते थे?**

A. नेताजी की
B. कैप्टन की
C. चश्मे वाले की
D. इनमें कोई नहीं (A)

व्याख्या: हालदार साहब हर 15वें दिन नेताजी की मूर्ति को बड़े ध्यान से देखा करते थे।

9. **मूर्ति को देखकर हालदार साहब के मन में कैसे भाव उठते थे?**

A. आश्चर्य और चिंतन के
B. कौतुक और प्रफुल्लता के
C. दुविधा और संशय के
D. इनमें कोई नहीं (B)

व्याख्या: मूर्ति की स्थिति और परिवर्तन देखकर हालदार साहब के मन में कौतुक और हास्यपूर्ण आनंद उत्पन्न होता था।

10. **हालदार साहब के मन में कौतुक और प्रफुल्लता के भाव क्यों उठते थे?**

A. बदलते चश्मों को देखकर
B. मूर्ति को देखकर
C. कैप्टन को देखकर
D. इनमें कोई नहीं (A)

व्याख्या: मूर्ति पर लगाए जाने वाले अलग-अलग प्रकार के चश्मों को देखकर हालदार साहब को हास्य और आनंद की अनुभूति होती थी।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App